B.Ed – 2nd Year **Nakul Sah**

Pedagogy of Biological Science **Assistant Professor**

Course- 7 (b)

Lecture - 33

Type of test questions
परीक्षण प्रश्नों के प्रकार

परीक्षण प्रश्नों को सामान्यतः दो भागों में बांटा जा सकता है –

1. विषयनिष्ठ प्रश्न
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

विषयनिष्ठ प्रश्न : ऐसे प्रश्न जिनके द्वारा विद्यार्थियों की व्यक्तिगत शक्ति, अभिव्यक्ति, व सृजनात्मकता का परीक्षण किया जा सके विषयनिष्ठ प्रश्न कहलाते है। ऐसे प्रश्नों को विषयनिष्ठ इसलिये कहा जाता है क्योकि इसके उत्तर किसी व्यक्ति विशेष के खुद के चिंतन व सृजनशीलता पर निर्भर करते हैं। एक ही प्रश्न का उत्तर भिन्न–भिन्न विद्यार्थी भिन्न–भिन्न तरीके से प्रस्तुत कर सकते है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : वस्तुनिष्ठ प्रश्न की श्रेणी में एसे प्रश्न या पद आते है जिनके उत्तर निश्चित होते है। एसे प्रश्नों की रचना हेतु विशेष कौशल व अभ्यास की आवश्यकता होती है। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के मुख्य प्रकार निम्नलिखित है –

इन प्रश्नों के निर्माण के समय निम्नलिखित तथ्यों पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

NAKUL KUMAR

1. **सरल व स्पष्ट भाषा का प्रयोग**

   वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की रचना करते समय इसकी भाषा सरल व स्पष्ट होनी चाहिए जिससे यह उसी योग्यता का मापन करे जिसके लिये उसकी रचना की गयी है।

2. **प्रत्येक प्रश्न स्वतंत्र व पूर्ण हो**

   वस्तुनिष्ठ परीक्षण का प्रत्येक प्रश्न अपने आप में पर्णू व स्वतंत्र होना चाहिये। यदि ये प्रश्न एक ही विषयवस्तु से हो तब भी एक प्रश्न का उत्तर दूसरे पर निर्भर नहीं होना चाहिये।

3. **स्पष्ट निर्देशों को लिखा जाये**

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लेने से पर्वू निर्देशों को स्पष्ट रूप में लिखा जाय जिससे कि विद्यार्थी निश्चित कर सके कि उन्हें सही विकल्प का चुनाव कर उसे लिखना है या केवल चिन्ह द्वारा इंगित करना है या सही या गलत लिखना है या उसका क्रमांक A, B, C, D लिखना है।

4. **भाषा इस प्रकार की न हो कि यह अनुमान लगाने को प्रेरित करे**

कई बार प्रश्नों की भाषा से उत्तर का अनुमान लग जाता है। ऐसे प्रश्नों की रचना करते समय ऐसे में यह पद परीक्षण उद्देश्यों को पूरा नहीं करते अतः ऐसे प्रश्नों की रचना पर ध्यान देना चाहिये –

उदाहरण

जिस बल से पृथ्वी किसी वस्तु को अपने गुरूत्व केन्द्र की ओर आकर्षित करती है। उसे ..... कहते हैं

1. विद्युत चुम्बकीय बल
2. नाभिकीय बल
3. गुरूत्वाकर्षण बल
4. वेशीय बल

NAKUL KUMAR

5. पर्याप्त समय दिया जाये

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने के लिये उनके कठिनाई स्तर के अनुरूप पर्याप्त समय दिया जाना चाहिये। प्रश्नों की रचना के आधार पर यदि पर्याप्त समय नहीं दिया जायेगा तो वह अनुमान लगाने के लिये बाध्य करेगा।

वस्तुनिष्ठ परीक्षणों के प्रकार

मुख्यतः वस्तुनिष्ठ परीक्षणो को दो भागो में विभक्त किया जा सकता है –

1. प्रत्यास्मरण प्रकार Recall type

इन्हें अपूर्ति प्रकार (Supply type) के वस्तुनिष्ठ प्रश्न भी कहा जाता है। इसमें विद्यार्थियों को उत्तर स्मरण कर या हल करे अंक या शब्द के रूप में लिखना होता है।

इन प्रश्नों की रचना के समय यह सर्वाधिक ध्यान देने योग्यत तथ्य है कि जो उत्तर लिखा जायेगा वही शब्द या शब्दों का समूह या अंक ही मात्र सही उत्तर होगी अन्य कोई दूसरा शब्द या अंक नही। इस प्रकार के प्रश्नों निम्नलिखित दो रूप से किसी भी रूप में पूछा जा सकता है –

1. लघुउत्तरीय प्रश्न
2. रिक्त स्थान पूर्ति प्रश्न

उदाहरण –

1. इलेक्ट्रान की खोज किसने की ?
2. खाद्य श्रृंखला मे सबसे ऊँचे स्तर पर जो जीवधारी है उन्हें क्या कहते है?
3. सौरमण्डल में कुल कितने ग्रह है?
4. आदर्श अमीटर का प्रतिरोध कितना होता है।
5. कार्य का मात्रक क्या है?

NAKUL KUMAR

उपरोक्त लघुउत्तरीय प्रश्नों को रिक्त स्थान पूर्ति के रूप में भी पूछा जा सकता है –

रिक्त स्थान की पूर्ति प्रकार के वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. इलेक्ट्रान की खोज ..... ने की।
2. खाद्य श्रृंखला मे सबसे ऊँचे स्तर पर जो जीवधारी है उन्हे ..... कहते है।
3. सौरमण्डल में कुल ..... ग्रह है।
4. आदर्श अमीटर का प्रतिरोध ..... होता है।
5. कार्य का मात्रक ..... होता है।

उपरोक्त प्रकार के प्रश्नों की रचना करते समय निम्नलिखित तथ्यों को ध्यान में रखना अत्यंत आवश्यक है –

सही उत्तर एक ही होना चाहिये जैसे – प्रकाश किस प्रकार की तरंग है (लघुउत्तरीय प्रश्न) प्रकाश .... तरंग है। (स्थान पूर्ति प्रकार)

उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर अनुपलब्ध tramverse व विद्युत चुम्बकीय दोनो हो सकते है। अतः यह उपयुक्त प्रश्न नहीं है। प्रश्न इस प्रकार का हो जिसका एक ही सही उत्तर हो।

2. Recognition type or Selection type objective test प्रत्याभिज्ञान (पहचान) प्रकार या चयन प्रकार के वस्तुनिष्ठ प्रश्न

इस प्रकार के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में प्रश्न का उत्तर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप कि विद्यार्थी को सही–उत्तर की पहचान या चुनाव करना पड़ता है। इस प्रकार के प्रश्नों के निम्नलिखित रूप है –

1. बहुविकल्पीय
2. सत्य / असत्य प्रकार
3. मिलान
4. समानतारूपी (Analogy)

To be continued……

NAKUL KUMAR